SHORT STORY

कहानी:

लालच का फल हमेशा बुरा होता है

एक समय की बात है, एक गाँव में एक लालची कुत्ता रहता था। उसे एक दिन कहीं से एक सूखी हड्डी मिली। वह उसे खाने के लिए एक एकांत जगह की तलाश में नदी पार करने लगा।

नदी पर बने छोटे पुल से जाते समय उसने पानी में अपनी ही परछाई देखी। कुत्ते ने सोचा कि पानी में कोई दूसरा कुत्ता है जिसके पास भी हड्डी है।

लालच में आकर वह उस पर भौंकने के लिए जैसे ही मुँह खोला, उसकी अपनी हड्डी नदी के पानी में गिर गई। कुत्ते को अपनी मूर्खता पर बहुत पछतावा हुआ।

एकता में बड़ी शक्ति होती है।

एक दिन एकता और बुद्धि की जीत हुई। एक घने जंगल में कबूतरों का दल दाना चुगने उतरा। वे शिकारी के जाल में फँस गए। दल के बूढ़े कबूतर ने कहा, "सब मिलकर एक साथ ज़ोर लगाओ और जाल को लेकर उड़ जाओ।"

सबने मिलकर एक साथ ताकत लगाई और जाल को आकाश में उड़ा ले गए। शिकारी देखता रह गया। वे उड़कर अपने मित्र चूहे के पास पहुँचे। चूहे ने अपने तेज़ दांतों से जाल को जल्दी से काट दिया। सब कबूतर आज़ाद हो गए।

एकता और मदद (शेर और चूहा)

एक बार एक जंगल में एक शेर सो रहा था। एक छोटा सा चूहा वहाँ आया और शेर के शरीर पर कूदने लगा। शेर की नींद टूट गई और उसने गुस्से से चूहे को पकड़ लिया। चूहे ने हाथ जोड़कर कहा, "मुझे छोड़ दो, कभी मैं भी आपके काम आऊंगा।" शेर को हंसी आ गई और उसने उसे छोड़ दिया।

कुछ दिन बाद, शेर एक शिकारी के जाल में फंस गया। वह जोर-जोर से दहाड़ने लगा। चूहे ने उसकी आवाज सुनी और वहाँ आ गया। चूहे ने अपने तेज दांतों से जाल को काट दिया और शेर को आजाद कर दिया।

प्यासा कौआ

एक बार की बात है, एक कौवे को बहुत तेज प्यास लगी थी। वह पानी की तलाश में यहाँ-वहाँ उड़ रहा था, लेकिन उसे कहीं पानी नहीं मिला। बहुत देर बाद, उसे एक बगीचे में पानी का एक घड़ा दिखाई दिया। [1]

कौवे ने घड़े में झाँककर देखा, तो पानी बहुत नीचे था। उसकी चोंच पानी तक नहीं पहुँच पा रही थी। कौवा बहुत समझदार था। उसने एक उपाय सोचा। उसने पास पड़े छोटे-छोटे कंकड़ उठाए और एक-एक करके उन्हें घड़े में डालने लगा।

कंकड़ डालने से घड़े का पानी ऊपर आ गया। कौवे नहीं, जी भरकर ठंडा पानी पिया और खुशी-खुशी उड़ गया।